Demand for implementation of Pension scheme to the persons incarcerated during emergency*

डा. किरोड़ी लाल मीणा (राजस्थान): महोदय, आपातकाल के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता, उनके प्रतिनिधि, जनसेवी एवं सामाजिक कार्यकर्ता तथा विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों के करीबन एक लाख दस हज़ार से अधिक लोगों को मीसा, DIR एवं अन्य निरोधात्मक धाराओं के तहत गिरफ्तार कर जेल के सीखचों में डाल दिया गया था जिसके कारण ऐसे लोगों के धंधे चौपट हो गए, कई की नौकरियां चली गईं, उसके कारण उन लोगों की पारिवारिक परिस्थितियां विषम हो गई थी, ये लोग आर्थिक दृष्टि से अत्यन्त कमजोर हो गए, अब इन लोगों के उम्रदराज होने पर उनकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त दयनीय है। देश के अनेक राज्यों में आपातकाल पीड़ितों को लोकतंत्र सेनानी पेंशन दी जा रही है, किन्तु अनेक राज्यों में सत्ता परिवर्तन के साथ ही इसे बन्द कर दिया गया है। इस समय राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि अन्य राज्यों ने आपातकाल पीड़ितों की पेंशन बन्द कर दी है जिस कारण अनेकों उम्रदराज लोकतंत्र सेनानियों की स्थिति अत्यन्त दयनीय हो गई है। मीसा बंदियों की पेंशन कई लोगों के पेट-पालन का एक मात्र आधार है, किन्तु कई राज्यों में मीसा, DIR बंदियों की पेंशन को बन्द कर दिया गया।

देश की आज़ादी के लिए जिन लोगों ने लड़ाई लड़ी ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों को केन्द्र सरकार स्वतंत्रता सैनिक सम्मान स्कीम 1980 लाई थी उसी तर्ज पर मेरा आग्रह है कि देश भर के आपातकाल योद्धाओं को, जिन्हें आपातकाल में जेल की सीखचों में डाल कर यातनाएं दी थी, उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों की भांति केन्द्र सरकार पेंशन स्कीम लागू कर पूरे देश के आपातकाल के लोकतंत्र सेनानियों को राहत प्रदान करे।

Demand to restore broadcast of local programme at Obra Akashwani Kendra, Sonbhadra District, Uttar Pradesh*

श्री राम शकल (नाम-निर्देशित): महोदय, सोनभद्र जिले में आकाशवाणी केन्द्र ओबरा को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्थानीय स्तर पर होने वाले गांव, किसान एवं महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों को बंद कर उसके स्थान पर विविध भारती के प्रोग्रामों को रिले करने का आदेश दिया गया है।

माननीय प्रधान मंत्री जी एवं नीति आयोग के द्वारा पूरे देश में अति पिछड़े जिलों को चिन्हित कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का आदेश दिया गया है। जनपद सोनभद्र को पिछड़ा जिला चिन्हित किया गया है। जनपद सोनभद्र में मूल निवासी, आदिवासी बनवासी, गृहवासी एवं पिछड़े लोगों की बाहुल्यता है। यह जनपद आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। जनपद सोनभद्र आकाशवाणी ओबरा केन्द्र से स्थानीय आदिवासी, बनवासी एवं अन्य कार्यक्रमों का प्रसारण वर्षो से होता चला आ रहा है। सोनभद्र की मूल संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम अन्य किसी केन्द्र से प्रसारित नही होता है। यहां के किसानों के कृषि से जुड़े कार्यक्रमों का प्रसारण इसी केन्द्र से होता है, जिसका लाभ यहां के स्थानीय लोगों को मिलता है।

---

*Laid on the Table.

आकाशवाणी केन्द्र ओबरा के स्थानीय स्टेशनों के कार्यक्रमों का प्रसारण बंद करके किसी अन्य स्टेशन से रिले करना जनपद सोनभद्र के साथ अन्याय है। स्टेशन के माध्यम से यहां के नौजवानों का जीविकोपार्जन भी जुड़ा है।

मैं आपके व सदन के माध्यम से सूचना एवं प्रसारण मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए जनपद सोनभद्र, उत्तर प्रदेश के आकाशवाणी केन्द्र ओबरा को पूर्व की स्थिति में बहाल करते हुए प्रसारण यथावत रखने का कष्ट करें।

MR. CHAIRMAN: Before I take up Question Hour, I have a suggestion for all the Members. Please sit till late in the evening, provide opportunity to smaller parties and also to as many Members as possible, to discuss the President's Address because we have been agitated about certain issues. So, this is the right forum and right occasion. I would make that request to all of you. The Deputy Chairman was saying that Members sat up to 7 o'clock yesterday. The other House sometimes sits up to 11 o'clock or 12 o'clock too. We should also have some patience. Some Members may be preoccupied but others could remain and the discussion must go on. Now, Question Hour.

SHRI ANAND SHARMA: I would take just one moment, Sir. Yesterday, it was agreed between the Government and us that we would sit up to 7 o'clock and 12 hours is the allocated time for discussion.

MR. CHAIRMAN: And I am ready to extend it further if the Members are ready to sit beyond 7 o'clock.

SHRI ANAND SHARMA: Please bear with me. The Government has conveyed to us that the Prime Minister would come tomorrow only at 5 o'clock. So, the debate would continue tomorrow from 2.00 to 5.00 p.m. Twelve hours is the allocated time. Yesterday, the discussion took place for five hours.

MR. CHAIRMAN: You have made your point. I am willing to extend it further to facilitate Members to speak.

SHRI ANAND SHARMA: That is good, Sir. We support that.

MR. CHAIRMAN: The discussion would be for 12 hours but the reply would be at 5 o'clock only. ...*(Interruptions)*... Now, Question Hour.